Asian Age 13-March-2021

Water war leaves 1 dead, 2 hurt in MP

RABINDRA NATH CHOUDHURY
BHOPAL, MARCH 13

A war over water late on Friday night broke out at a village in Madhya Pradesh, leaving one person dead and two others injured.

The incident took place in the village of Chikli under Simrol police station in the Indore district, police said on Saturday.

According to the police, a dispute overuse of water from a bore well in the village led to bloody clashes between 2 groups in the village, causing the tragic incident.

The bore well was the only source of drinking water in the village.

The village has been divided into 2 groups over access to bore well water and used to witness verbal wars between the rival groups over sharing of water of the bore well.

The declining water level in the bore well has flared up a rivalry between them, investigating officers in Simrol police station said.

The rival groups clashed Friday evening over drawing water from the bore well. But, some elderly people in the village intervened and separated the rival groups. But the group allegedly led by Umrao Bhil attacked one Raju Bhil of the rival group after midnight, leading to violent clashes between them.

Raju was allegedly hacked to death by the attackers, the slain villager's son Lakhan said in an FIR filed in the Simrol police station on Saturday morning.

Two villagers, Umrao and Siddhu, were injured in the incident. Five people were arrested in connection with the incident, the police said.

Water wars are a common sight in interior areas of parched belts of Bundelkhand and Chambal every summer.

With the summer already setting in, several parts of the two parched regions have started reporting a shortage of drinking water. "Water crisis is looming in many parts of the parched regions of Bundelkhand and Chambal with water bodies drying up fast in the areas," a senior officer of Tikamgarh district in Bundelkhand in the state, told this newspaper.

Business Line 13-March-2021

Summer crop acreage under pulses, maize up

OUR BUREAU

Bengaluru, March 12

Planting of pulses and maize has picked up even as paddy continues to make big gains in the ongoing summer cropping season with farmers bringing in more area under the cereal crop in West Bengal and Telangana.

As of March 12, pulses acreage has moved up by about a fifth with both black gram and green gram gaining acreage in Tamil Nadu, West Bengal and Bihar among others. Black gram was planted on 1.18 lakh ha (0.79 lakh ha in previous year), while green gram area stood at 1.96 lakh ha (1.81 lakh ha).

Paddy continued to rise with acreage higher at 33.72 lha (26.65 lha). West Bengal has seen paddy acreage rise to 9.83 lakh ha, followed by Telangana at 2.59 lakh ha. Among coarse cereals, maize area has been higher at 3.94 lakh ha (3.23 lha), while jowar and bajra have seen a decline. Overall oilseeds area has seen a marginal increase at 5.88 lakh ha (5.54 lakh ha). Overall acreage under the summer crops stood 22 per cent higher at 47.93 lakh ha (39.38 lakh ha).

Storage levels

The actual rain fall across the country was lower by 55 per cent at 4.2 mm against the normal during the first 12 days of March. According to the Central Water Commission the live water storage in 130 reservoirs across the country was 88 per cent of the live storage in the corresponding period as of February 25. Also the water storage is 123 per cent of the last 10 year average

Millennium Post 13-March-2021

Jal Board's water treatment capacity up by 40% in 20 yrs

NEW DELHI: The installed water treatment capacity of the Delhi Jal Board has increased by 40 per cent in the last 20 years, according to government data.

The DJB's total installed water treatment capacity was 650 million gallons a day (MGD) in 2001. It improved to 916 MGD in 2020. However, it has increased by only 8 per cent in the last 10 years.

The utility improved its installed water treatment capacity from 848 million gallons a day (MGD) in 2011 to 906 MGD in 2014, according to the Delhi Economic Survey report.

However, the growth has remained sluggish since then. The DJB added only 10 MGD of water treatment capacity in the last seven years, making it 916 MGD at present. Delhi's average water demand stands at 1,150 MGD, while the DJB is able to supply only 935 MGD of water available from various sources.

The national capital depends on other states for over 90 per cent of its drinking water needs.

The utility's sewage treatment capacity increased from 402.40 MGD in 2001 to 597 MGD in 2020, an increase of around 48 per cent.

Of this, only 524 MGD (88 percent) capacity is being utilised, the data showed.

At present, Delhi generates around 720 MGD of sewage.

"The STPs are not functioning up to their optimum level due to various reasons such as low flow of sewerage to STPs, trunk and peripheral sewer lines still to be connected to these STPs, rehabilitation of silted and settled truck sewer lines yet to be completed, etc," the report said. PTI

Navbharat Times 13-March-2021

मॉनसून में इस बार भी दिल्ली होगी पानी-पानी!

ज्यादातर नालों की सफाई अब तक नहीं हो सकी है शुरू

Sudama.Yadav@timesgroup.com

■ **दिल्ली में रहने** वाले लोगों को इस साल भी जलभराव से मुश्किल ही राहत मिलने वाली है। ऐसा इसलिए कि एमसीडी ने अभी तक नालों की सफाई शुरू ही नहीं की है। सबसे बुरा हाल साउथ एमसीडी एरिया का है। तीनों एमसीडी में सबसे अधिक 243 नाले साउथ एमसीडी एरिया में हैं। लेकिन, यहां नालों की सफाई के लिए अभी कोई सुगबुगाहट ही नहीं है। नॉर्थ एमसीडी एरिया में 192 नाले हैं, जिनकी करीब 7 प्रतिशत सफाई हुई है। ईस्ट एमसीडी के 223 नालों हैं और यहां करीब 6 या 7 प्रतिशत तक सफाई हुई है। पीडब्ल्यूडी के नालों की लंबाई करीब 2064 किमी है और इनकी सफाई अभी शुरू ही हुई है।

पिछले साल मॉनसून के दौरान मिंटो रोड पर जलभराव के चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस साल भी दिल्ली में कमोबेश हालात कुछ ऐसे ही रहने वाले हैं। नालों की सफाई करने वाली अभी तक किसी भी एजेंसी ने नाले साफ करने का काम शुरू नहीं किया है। अफसरों का कहना है कि साउथ एमसीडी के चार जोन को मिलाकर 4

File Photo

फुट गहरे 243 नाले हैं, जिनकी लंबाई करीब 160 किमी है। लेकिन, साउथ एमसीडी के डेम्स विभाग ने अभी तक नालों की सफाई शुरु ही नहीं की है। हर साल मॉनसून के दौरान साउथ एमसीडी एरिया के रिहायशी कॉलोनियों

तीनों एमसीडी एरिया में नाले और उनकी लंबाई

एमसीडी	नाले	लंबाई
साउथ एमसीडी	243	160 किमी
ईस्ट एमसीडी	223	122 किमी
नॉर्थ एमसीडी	192	109 किमी

की स्थिति ऐसी होती है कि जलभराव के चलते लोग घरों से घंटों बाहर नहीं निकल पाते। नॉर्थ एमसीडी एरिया में कुल 192 नाले हैं, जिनकी लंबाई करीब 109 किमी है। डेम्स विभाग के अफसरों का कहना है कि नालों की सफाई शुक्रवार से ही शुरु की गई है। अभी तक कुल मिलाकर करीब 7 प्रतिशत नाले साफ हुए हैं। ईस्ट एमसीडी एरिया में 223 नाले हैं, जिनकी लंबाई करीब 122 किमी है। यहां डेम्स विभाग के अफसरों का कहना है कि नाले की सफाई मार्च के पहले हफ्ते में शुरु की गई थी। तीनों एमसीडी ने नालों की शत प्रतिशत सफाई का डेडलाइन 15 मई तय किया है। लेकिन, जिस रफ्तार से नालों की सफाई हो रही है, उसे देख कर नहीं लगता है कि 60 दिनों में सभी नालों की सफाई पूरी हो जाएगी।

Amar Ujala 13-March-2021

जीवनदायिनी यमुना पर पहला बांध

ड्रीम प्रोजेक्ट से बुझेगी हरियाणा के तीन करोड़ लोगों की प्यास

निरंजन कुमार राणा

डैम बनने से दिल्ली को भी उसके हिस्से का पर्याप्त पानी मिल सकेगा

यमुनानगर। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने यमुना पर बांध बनाने के अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को प्रदेश के बजट में शामिल कर लिया है। प्रदेश के तीन करोड़ लोगों की प्यास बुझाने के लिए यह प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही देश की राजधानी दिल्ली को भी अपने हिस्से का पूरा पानी मिल सकेगा। बांध से जहां सिंचाई के लिए किसानों की जरूरत पूरी होगी, वहीं जल पर आधारित हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की चारों इकाइयों को भी बिजली उत्पादन करने में लाभ मिलेगा। सिंचाई विभाग की तरफ से तैयार की गई रिपोर्ट में प्रथम चरण में इस प्रोजेक्ट पर तीन हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान लगाया है। डैम बनने से मानसून के मौसम में यमुना के व्यर्थ बहने वाले पानी पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। बांध कैचमेंट एरिया में हुई बारिश के 20.43 फीसदी पानी का भंडारण कर सकेगा।

पिछले साल मार्च में मुख्यमंत्री ने हथिनीकुंड बैराज के अपस्ट्रीम पर पहला वाटर स्टोरेज डैम बनाने की संभावना तलाश करने के लिए साइट का दौरा किया था। तब उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सात किमी ऊपर हिमाचल की तरफ योजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इस प्रोजेक्ट के लिए जिले के गांव कलेसर, माधोबांस व बंजारा बांस के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के कई गांवों की जमीन का अधिग्रहण करने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री ने यमुना की सहायक नदी गिरि तथा टोंस पर बनने वाले रेणुका डैम, लखवाड डैम और किशाऊ डैम का भी बजट में जिक्र करते हुए कहा है कि हरियाणा सरकार इनके निर्माण की बड़े स्तर पर पैरवी कर रही है। इनके कुल पानी से 47 फीसदी हिस्सा अकेले हरियाणा को मिलेगा। तीनों बांध परियोजनाओं की कुल लागत का 90 फीसदी केंद्र और 10 फीसदी राज्य खर्च करेंगे।

ऐसे समझें पानी का गणित : बरसात के सीजन में एक महीने औसतन प्रति सैकेंड 50 हजार से एक लाख क्यूसेक पानी हथिनीकुंड में पहुंचता है। इस औसत से हिसाब लगाएं तो प्रतिदिन कई अरब लीटर पानी व्यर्थ जाता है। पब्लिक हेल्थ विभाग के एक्सईएन पारीक गर्ग के मुताबिक प्रदेश के शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन एक व्यक्ति को 155 लीटर और ग्रामीण क्षेत्र में 55 लीटर पानी खर्च करने के लिए वितरित किया जाता है। ऐसे में तीन करोड़ आबादी की बात करें तो प्रतिदिन 300 से 400 करोड़ लीटर पानी ही प्रयोग किया जाता है।